डाक पंजी. सं.: UP/GBD-245/2021-2023
आपकी आवाज- सिर्फ सच...
RNI NO.:- UPHIN/2017/74182

सुविचार

'जिस क्षण आप खुद को महत्व देना शुरू करेंगे, ये दुनिया आपको महत्व देना शुरू कर देगी।'

सर्वोदय शांतिदूत

www.sarvodayshantidoot.com
E-mail: sarvodayshantidoot@gmail.com
साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष: 08 | अंक: 19 | प्रत्येक सोमवार | गाजियाबाद | 03 मार्च से 09 मार्च 2025 | पृष्ठ: 04 | मूल्य: 02 रुपये मात्र

हिमस्खलन: तीन श्रमिकों के शव बरामद, अब तक सात की मौत, एक लापता

सर्वोदय शांतिदूत नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में भारत-चीन सीमा पर स्थित माणा गांव के पास शुक्रवार को हुए हिमस्खलन की चपेट में आकर लापता चल रहे तीन श्रमिकों के शव रविवार को खोज एवं बचाव दलों ने बरामद किए हैं। इससे पहले शनिवार रात चार श्रमिकों के शव बरामद किए गए थे। इस प्रकार अब तक कुल सात श्रमिकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। वहीं, देहरादून निवासी एक व्यक्ति अभी भी लापता है।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने आज अपराह्न बताया कि लापता एक श्रमिक की तलाश जारी है।

खोज एवं बचाव दलों द्वारा उसका रेस्क्यू किए जाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ज्योतिर्मठ में मृत श्रमिकों का पोस्टमार्टम किए जाने की कार्यवाही गतिमान है।

मृतकों के शवों को उनके घर पहुंचाने के लिए प्रशासन द्वारा व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि सुरक्षित रेस्क्यू किए गए 44 श्रमिकों को ज्योतिर्मठ में सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी की स्थिति सामान्य है।

उनके उपचार की समुचित व्यवस्था की गई है तथा उनकी जरूरतों का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। श्री सुमन ने बताया कि गंभीर रूप से घायल दो श्रमिकों का एम्स, ऋषिकेश में उपचार किया जा रहा है। एम्स, ऋषिकेश प्रशासन से प्राप्त सूचना के अनुसार उनकी स्थिति में सुधार है।

नशा तस्करों को दंडित करने में मोदी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही: अमित शाह

सर्वोदय शांतिदूत नेटवर्क

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पैसे के लालच में युवाओं को नशे की अंधेरी खाई में धकेलने वाले नशा तस्करों को दंडित करने में मोदी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। श्री शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 'सरकार का संकल्प नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए कठोर और सावधानीपूर्वक जांच के साथ नशीली दवाओं के खतरे से लड़ना है।' गृह मंत्री ने कहा कि 'उपर से नीचे' और 'नीचे से उपर तक' जांच की अचूक रणनीति के परिणामस्वरूप भारत भर में 12 अलग-अलग मामलों में 29 नशा तस्करों को अदालतों ने दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा कि यह सफलता इसी दृष्टिकोण का प्रमाण है।

मादक पदार्थों के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुसरण में, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि ये सजाएँ अदालतों के समक्ष दायर मामलों के सफल अभियोजन को सुनिश्चित करने के लिए ब्यूरो के समर्पण का उदाहरण हैं। ब्यूरो प्रधानमंत्री के 2047 तक नशा मुक्त भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लगातार काम कर रहा है।

वह नशीली दवाओं के खिलाफ लड़ाई में लोगों का समर्थन चाहता है। मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में जानकारी ब्यूरो के मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर गोपनीय रूप से प्रदान की जा सकती है।

संजय उवाच

एशिया के उपनिवेशवाद का पहला उदय !

डॉ0 संजय त्रिपाठी

क्रिप्स मिशन के पृष्ठभूमि में आपने पढ़ा था किस तरह अंग्रेजों को कमजोर करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसकी पहल की। अब आगे इसकी पृष्ठभूमि में आप पढ़ेंगे एशिया के उपनिवेशवाद का उदय कैसे हुआ। हालांकि, ब्रिटेन के प्रमुख सहयोगी संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस मामले को और भी अधिक जरूरी माना। अमेरिका का मुख्य रणनीतिक उद्देश्य चियांग काई शेक के शारीरिक रूप से अलग–थलग पड़े राष्ट्रवादी चीन को जापानी साम्राज्य के विस्तार के खिलाफ मदद करना था।

चीन के तटीय क्षेत्रो पर जापानी विजय का मतलब था कि अमेरिकियों को चीन को सहायता पहुंचाने के लिए भारत को एक प्रमुख रसद केंद्र के रूप में काम करने की जरूरत थी और बर्मा के माध्यम से आपूर्ति के लिए मार्गो को सुरक्षित करने के लिए भारतीय सैन्य जनशक्ति की जरूरत थी। अमेरिकी और चीनी नेतृत्व अस्वस्थ थे कि संगठित भारतीय आबादी के पूर्ण समर्थन के बिना यह संभव नहीं होगा, जिसके लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ एक सफलता की आवश्यकता थी। इसके अलावा फ्रैंकलिन रूजवेल्ट प्रशासन युद्ध के बाद की विश्व व्यवस्था के लिए अपना दृष्टिकोण तैयार करने में व्यवस्था और एशिया के उपनिवेशवाद को वैचारिक और वाणिज्यिक दोनों कर्म से अमेरिकी राष्ट्रीय हित के रूप में देख रहा था।

हितों के टकराव के बावजूद युद्ध के प्रयास के लिए लैंड लीज आपूर्ति के लिए ब्रिटेन की संयुक्त राज्य अमेरिका पर निर्भरता का मतलब था कि अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजबेल्ट के दबाव को कम से कम गंभीरता से लिया जाना चाहिए, खासकर दक्षिण पूर्व एशिया में सैन्य आपदाओं के मध्य नजर। नतीजतन 9 मार्च 1942 तक ब्रिटिश कैबिनेट ने अपने प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए भारत में एक मिशन भेजने पर सहमति व्यक्त की और क्रिप्स का विमान 22 मार्च को दिल्ली में उतर। तब तक अंग्रेजी युद्ध के समापन पर भारतीय स्वतंत्रता देने के लिए तैयार थे। संयोग से अगले दिन 1940 के लाहौर प्रस्ताव की दूसरी वर्षगांठ थी और इसलिए क्रिप्स ने मुसलमानों को हरे झंडे के साथ सड़कों पर मार्च करते देखा। क्रिप्स ने कहा कि वह कांग्रेस के ज्यादा करीब थे, लेकिन वे दूसरे दृष्टिकोण के लिए भी खुले थे। जिन्ना ने यह जानने के लिए इंतजार किया कि प्रस्ताव क्या थे और कहा कि अगर वह मुसलमान के हित में नहीं होंगे तो लीग उन्हें अस्वीकार कर देगी। द्वितीय विश्व युद्ध में भारत के प्रवेश पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया विभाजित थी। वायसराय के निर्णय से नाराज कुछ कांग्रेसी नेता यूरोप में युद्ध की गंभीरता के बावजूद अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह शुरू करने के पक्ष में थे, जिससे ब्रिटेन की अपनी स्वतंत्रता को खतरा था। चक्रवर्ती राजगोपालाचारी जैसे अन्य लोगों ने अंग्रेजों को शांति का प्रस्ताव देने और उसे महत्वपूर्ण समय में उनका समर्थन करने की वकालत की, इस उम्मीद में की युद्ध के बाद इस इशारे का बदला स्वतंत्रता से दिया जाएगा। कांग्रेस के प्रमुख नेता गांधी युद्ध में भारतीयों की भागीदारी के खिलाफ थे, क्योंकि वह नैतिक रूप से युद्ध का समर्थन नहीं करते थे, उन्हें अंग्रेजों के इरादों पर संदेह था और उनका मानना था कि अंग्रेज भारत की स्वतंत्रता की आकांक्षाओं के प्रति ईमानदार नहीं है। हालांकि, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना आजाद और जवाहरलाल नेहरू के समर्थन से राजगोपालाचारी युद्ध के दौरान ब्रिटिशों ने उत्सुकता से मुस्लिम समर्थन हासिल करने की कोशिश की और इसलिए एक खंड शामिल किया कि किसी भी प्रांत को युद्ध के बाद भारत में शामिल होने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। मुस्लिम लीग के नेता जिन्होंने युद्ध के प्रश्न इतिहास का समर्थन किया और कांग्रेस की नीति की निंदा की। पाकिस्तान एक अलग मुस्लिम राज्य पर देते हुए उन्होंने अखिल भारतीय सहयोग और तत्काल स्वतंत्रता के लिए कांग्रेस के आवाहन का विरोध किया।

भारत पहुंचने पर क्रिप्स ने भारतीय नेताओं से बातचीत की और अपने प्रस्तावों के जरिए सभी समुदायों को संतुष्ट करने का प्रयास किया। वह नेहरू के मित्र थे और उन्होंने एक समझौता करने की पूरी कोशिश की। हालांकि विश्वास बहुत अधिक था और कई प्रभावशाली लोग नहीं चाहते थे कि कोई समझौता हो। इस बात को लेकर कुछ भ्रम है की क्रिप्स को चर्चिल और भारत के राज्य सचिव लो अमीरी ने भारत के राष्ट्रवादी राजनेताओं को क्या पेशकश करने के लिए अधिकृत किया था और क्रिप्स को वायसराय लिनलिथगो से भी शत्रुता का सामना करना पड़ा था। क्रिप्स ने युद्ध की समाप्ति पर भारत को पूर्ण प्रभुत्व का दर्जा देने की पेशकश की, जिससे राष्ट्रमंडल से अलग होने और पूर्ण स्वतंत्रता का मौका भी शामिल था। निजी तौर पर क्रिप्स ने लाइनर से छुटकारा पाने और भारत को तत्काल प्रभाव से प्रभुत्व का दर्जा देने का भी वादा किया। अगले अंक में आप पढ़ेंगे अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और मुस्लिम लीग में विरोध का कारण।

शेष अगले अंक में ....

महिलाओं के खाते में कब आएंगे 2500 रुपये?

आप विधायक कुलदीप कुमार ने बीजेपी से पूछा ये सवाल

सर्वोदय शांतिदूत नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार ने रविवार को भाजपा पर दिल्ली की महिलाओं को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि भाजपा इस चुनावी वादे को पूरा करने में विफल रही। कुलदीप ने इसे महिलाओं के साथ धोखा बताया है। कोंडली विधानसभा क्षेत्र से विधायक कुलदीप कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में अपनी चुनावी रैलियों के दौरान भरोसा दिलाया था कि नयी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में वित्तीय सहायता योजना पारित कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आठ मार्च तक योजना शुरू करने का वादा किया था, लेकिन उसने अब तक इस संबंध में कोई कदम नहीं उठाया है। कुमार ने कहा, 'यह (प्रस्ताव) पहली कैबिनेट बैठक में पारित नहीं हुआ। हमने सोचा कि अगर कैबिनेट में नहीं, तो विधानसभा सत्र में पारित हो जाएगा। लेकिन इस मुद्दे पर ध्यान देने के बजाय भाजपा नेताओं ने पूरा सत्र अरविंद केजरीवाल को गाली देने में बिता दिया। उन्होंने दिल्ली की महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है।' 'आप' विधायक ने कहा कि भाजपा को मोदी द्वारा स्वयं निर्धारित की गई समयसीमा याद होनी चाहिए और दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली ने तय कर लिया है कि वह महिलाओं से किए गए प्रधानमंत्री के वादे को तोड़ेंगी। उन्होंने कहा, 'आप ने आठ मार्च (अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस) की तारीख नहीं दी थी। भाजपा और प्रधानमंत्री ने यह तारीख दी थी। अब रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार दिल्ली के लोगों से किए गए प्रधानमंत्री के वादे को तोड़ने पर आमादा है।' दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने शहर की महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह देने का वादा किया था, जबकि 'आप' ने 2,100 रुपये की पेशकश की थी। भाजपा ने चुनावों में दिल्ली विधानसभा की 70 में से 48 सीटें जीत लीं। 'आप' को 22 सीट हासिल हुईं, जबकि कांग्रेस कोई भी सीट पाने में असफल रही।

सूटकेस में मिला कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल का शव, पुलिस ने जांच के लिए पांच टीमें गठित कीं

सर्वोदय शांतिदूत नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा के रोहतक में कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल की निर्मम हत्या से जिले में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इसके लिए पुलिस ने पांच टीमें गठित की हैं। इस बीच कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। बता दें, हिमानी का शव शनिवार को सांपला बस स्टैंड के पास एक सूटकेस में मिला था। पुलिस ने बताया कि कुछ राहगीरों ने सूटकेस देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी थी।

सांपला थाना निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा, 'हमें कल सुबह सूचना मिली थी कि बस स्टैंड के पास एक सूटकेस में एक लड़की की लाश मिली है। लड़की की पहचान हो गई है और मामला दर्ज कर लिया गया है। हमारी चार टीमें इस पर काम कर रही हैं। हम जल्द ही इस मामले का खुलासा करेंगे। आज पोस्टमार्टम किया जाएगा। हम मामले की जांच कर रहे हैं। हमें इसमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं दिखता लेकिन हम अपना काम कर रहे हैं।'

पुलिस ने बताया कि पीड़िता के गले में दुपट्टा बंधा हुआ था और उसके हाथों में मेहंदी लगी हुई थी। पुलिस को संदेह है कि रोहतक के विजय नगर इलाके की रहने वाली नरवाल की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या की गई है। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआईएमएस रोहतक ले जाया गया।

कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में पार्टी कार्यकर्ता की मौत पर शोक व्यक्त किया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। पार्टी ने लिखा, 'हरियाणा के रोहतक में कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल की बर्बर हत्या का समाचार बहुत दुखद और पीड़ादायक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वो दिवंगत आत्मा को शांति और उनके परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति दें। इस मुश्किल समय में हम पूरे परिवार के साथ खड़े हैं। हिमानी के साथ हुई इस क्रूर और शर्मनाक घटना की निष्पक्ष जांच हो और अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। श्रद्धांजलि।'

दो मोटरसाइकिल की टक्कर होने से पांच लोगों की मौत

आगरा। आगरा जिले के कागारौल इलाके में दो मोटरसाइकिल की टक्कर होने से पांच लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सैंया इलाके के रहने वाले चार लोग भगवान दास (35), वकील (35), राम स्वरूप (28) और सोनू (30) एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर शादी समारोह में गए थे। उसने बताया कि ये चारों लोग शनिवार रात करीब 10 बजे लौट रहे थे तभी रास्ते में कागारौल इलाके में उनकी मोटरसाइकिल सामने से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से टकरा गई। उसने बताया कि इस घटना में चारों लोगों की मौत हो गई। वहीं, दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार करन (17) की भी मौत हो गई और किशनवीर नामक एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

मस्जिद में बिना अनुमति लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में मौलवी पर मुकदमा

सर्वोदय शांतिदूत नेटवर्क

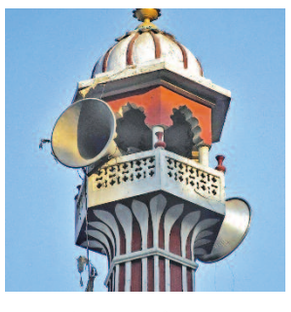

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के जहानाबाद थाना क्षेत्र में एक मस्जिद में प्रशासन की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में एक मौलवी पर मुकदमा दर्ज किया गया।

जहानाबाद के थानाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि थाने में तैनात उपनिरीक्षक वरुण की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि शनिवार दोपहर काजीटोला स्थित एक मस्जिद में नमाज के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किया जा रहा था।

मिश्रा ने कहा कि मौलवी अशफाक को 25 फरवरी को ही उच्चतम न्यायालय और शासन के आदेशों से अवगत करा दिया गया था, जिनके मुताबिक सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर या पब्लिक एड्रेस सिस्टम का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

मिश्रा ने बताया कि अशफाक 28 फरवरी की शाम को भी नमाज एवं अजान के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर रहे थे और मांगने पर वह कोई अनुमति पत्र नहीं दिखा सके थे।

उन्होंने कहा कि नियम के उल्लंघन के आरोप में मौलवी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 (सरकारी आदेशों की अवहेलना), 270 (सार्वजनिक उपद्रव) और 293 (किसी वैध प्राधिकरण की ओर से जारी निषेधाज्ञा के बावजूद सार्वजनिक उपद्रव जारी रखना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मिश्रा के अनुसार, मौजूदा समय में माध्यमिक शिक्षा परिषद और अन्य बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर की तेज आवाज से परीक्षार्थियों और गंभीर रूप से बीमार लोगों को परेशानी होती है।

राजीव कॉलोनी में आने-जाने का नरकीय हालात

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

पिछले करीब चार माह से यहां के लोग भारी परेशानी से गुजर रहे है। कोई इस तरफ ध्यान नहीं देता, नगर निगम सड़कों के किनारे खड़े ट्रैकों पर कोई कार्यवाही नहीं करता।

साहिबाबाद। मोहन नगर स्थित राजीव कॉलोनी में लोगों के आने-जाने के लिए नरकीय हालात से गुजरना पड़ रहा है। चारों तरफ सड़क की बद्तर स्थिति से गुजरना पड़ता है । कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी है।

राजीव कॉलोनी में आने जाने वाली सभी दिशाओं की सड़क जगह-जगह खुद ही पड़ी है। । एक माह पहले कॉलोनी के चारों तरफ सीवर डालने के लिए खुदाई किया गया। इस कारण चारों तरफ के सड़कों पर गड्ढे बने हुए हैं ।

रोड़ी - मिट्टी पड़ी हुई है जिससे आने-जाने में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है । कई बार तो बाइक सवार दंपति दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं। लोनी रोड से कॉलोनी में आने वाले मार्ग पर खाली और भरे ट्रैकों का तांता लगा रहता है । सड़क के मोड पर टेंपो वाले अपना स्टैंड बना लिए हैं। इस मार्ग पर दो तार कंपनियां बंसल वायर और अंबिका स्टील के भरे हुए ट्रक और खाली ट्रक सड़क के दोनों तरफ आड़ी तिरछी खड़ी रहती है। इन ट्रैकों के बीच से कार, स्कूटर मोटरसाइकिल का भी निकलना दुभर हो जाता है।

इन फैक्ट्री के आगे बाइक और कारें खड़ी होती हैं साथ ही फैक्ट्री के लोहे पड़े होते हैं जिससे आधी सड़क घिर गई है ।

इसी मार्ग से आगे जाकर टी पॉइंट से पहले सड़क पर पुलिया बनाया गया है जिसके कारण वहां गाड़ियों का निकलना और भी मुश्किल हो गया है। मोहन नगर से कॉलोनी के तरफ आने वाला रास्ता भी पूरी तरह से खुदा पड़ा है और जगह-जगह जाम की स्थिति बन जाती है।

पिछले करीब चार माह से यहां के लोग भारी परेशानी से गुजर रहे है। कोई इस तरफ ध्यान नहीं देता, नगर निगम सड़कों के किनारे खड़े ट्रैकों पर कोई कार्यवाही नहीं करता।

प्रशासन को शीघ्र ही यहां की परेशानी को देखते हुए समाधान करना चाहिए ताकि लोगों को आने-जाने में कोई असुविधा न हो।

केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़छाड़ के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार, पोस्को और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज

सर्वोदय शांतिदूत नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के जलगांव में केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे की बेटी से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। खडसे ने आरोपी युवकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि जलगांव जिले के मुक्ताईनगर इलाके में मेले के दौरान कुछ युवकों ने उनकी बेटी और उसकी सहेलियों से छेड़छाड़ की। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी की तलाश में टीम रवाना कर दी गई है। रक्षा खडसे ने रविवार को मुक्ताईनगर में पत्रकारों से कहा, 'हर साल महाशिवरात्रि के अवसर पर हमारे इलाके में संत मुक्ताई यात्रा निकाली जाती है। दो दिन पहले मेरी बेटी यात्रा के लिए गई थी। लड़कियों के झूले पर बैठने के बाद लड़के उनका वीडियो बनाने लगे। जब गार्ड ने यह देखा तो उसने लड़कों को रोका। जब गार्ड ने मोबाइल जब्त कर जांच की तो लड़कों ने उसे पीटना शुरू कर दिया।

ऐसी घटना तब हो रही है, जब लड़कियों के साथ पुलिस अधिकारी यूनिफॉर्म में है। मैंने मुख्यमंत्री से बात की है। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को भी निर्देश दिए हैं।' एसडीपीओ कृष्णत पिंगले ने बताया कि 28 फरवरी 2025 को मुक्ताईनगर तालुका के कोथली गांव में एक यात्रा थी। मुक्ताईनगर शहर के अनिकेत घुई और उसके 6 दोस्त यात्रा में भाग ले रहे थे। उसी यात्रा में अनिकेत घुई और उसके दोस्तों ने 3-4 लड़कियों का पीछा किया और उनके साथ छेड़छाड़ की। इसलिए, हमने पीछा करने, छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है और ढडउरड एक्ट के साथ-साथ क्ळ एक्ट की धाराएँ भी लगाई हैं। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए तीन टीमें भेजी गई हैं। छेड़छाड़ की घटना पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'एक पार्टी के कुछ पदाधिकारी हैं जिन्होंने ऐसा काम किया है। यह घटिया हरकत है, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इस तरह की प्रताड़ना गलत है, उन्हें माफ नहीं किया जा सकता और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।'

पत्रकारों से बात करते हुए रक्षा के ससुर पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे ने कहा, 'पुलिस को पहले भी इन युवकों के खिलाफ कई शिकायतें मिल चुकी हैं। ये लड़के शातिर अपराधी हैं।

सम्पादकीय

निर्वासितों से दुर्व्यवहार कितना सही?

19 फरवरी को यूनाइटेड स्टेट्स व्हाइट हाउस ने 41 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें निर्वासितों को बेड़ियों में जकड़ा हुआ दिखाया गया है क्योंकि उन्हें अवैध अप्रवासियों को (जैसा कि उन्हें वहां 'अवैध एलियंस' के रूप में जाना जाता है) अमेरिकी क्षेत्र से निकाले के डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के प्रयासों के तहत निर्वासन कार्यों के लिए एक हवाई जहाज में ले जाया जा रहा है। वीडियो में निर्वासितों या अमेरिकी अधिकारियों के चेहरे नहीं दिखाए गए थे लेकिन बाद वाले ने जो जैकेट पहनी थी जिससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि वे एनफोर्समेंट एंड रिमूवल ऑपरेशंस (ईआरओ) से थे, जो अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के प्रवर्तन और निष्कासन कार्यों का संक्षिप्त रूप है। वीडियो का उद्देश्य न केवल निर्वासितों, जिनमें से कई भारत से हैं, बल्कि उनके राष्ट्रों और उनके नागरिकों का समग्र रूप से उपहास उड़ाना और उन्हें शर्मिंदा व अपमानित करना था। वीडियो का चौंकाने वाला शीर्षक था– 'एएसएमआरः अवैध विदेशी निर्वासन उड़ान' और एलोन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसे 100 मिलियन से अधिक बार देखा गया है। वीडियो में एएसएमआर (ऑटोनॉमस सेंसरी मेरिडियन रिस्पांस) का तात्पर्य स्टील की जंजीरों की झुनझुनी ध्वनि से है जब उन्हें टरमैक पर बिछाया जाता है क्योंकि कैदी आगे बढ़ते हैं और एक–एक करके उन्हें जंजीरों में जकड़ा जाता है। एएसएमआर रीढ़ की हड्डी में महसूस होने वाली संतुष्टि और सुखद झुनझुनी की भावना है, जो कुछ लोगों में कुछ ध्वनियों से ट्रिगर होती है, जैसे टिशू पेपर का कुचलना या बबल रैप का फटना। स्टील की बेड़ियों के बिछाए जाने की आवाज वह झुनझुनी है जिसे वे पसंद करते हैं। मस्क ने वीडियो को 'हाहा... वाह' शब्दों के साथ रीटवीट किया। निर्वासितों के साथ अमानवीय व्यवहार सिर्फ उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार में ही नहीं है। अमेरिकियों के दिमाग में 'एलियंस' की गहरी पैठ है, जिसमें कई पहले काम कर रहे हैं, जैसे कि श्वेत वर्चस्व, गरीबी का अपराधीकरण और या दुर्व्यवहार का सामान्यीकरण। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक अकाउंट से ऐसा वीडियो जारी करने और उनके सबसे भरोसेमंद लेफ्टिनेंट द्वारा इसे रीटवीट करने पर हंसने के लिए दिमाग में कुछ गड़बड़ जरूर है। सभी देशों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे निर्वासितों को वापस लौटाएं और अमेरिका को यह बताएं कि निर्वासन ठीक है लेकिन इंसानों के साथ दुर्व्यवहार करना, जिनमें से ज्यादातर समाज के गरीब तबके के हैं और जो आजीविका की तलाश में हैं, ऐसी नौकरियां लेना जो इन इच्छुक श्रमिकों की उपलब्धता के बिना भी उपलब्ध हैं, एक फासीवादी शासन के करीब है जो अन्य मनुष्यों को मनुष्य से कमतर समझता है। निर्वासन के लिए लक्षित देशों में सबसे बड़ा, सबसे मजबूत और सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में भारत को यह विरोध अवश्य व्यक्त करना चाहिए। इसमें भारत स्पष्ट रूप से, बड़े पैमाने पर और बुरी तरह विफल रहा है। इसकी जगह हमारे पास ऐसा नेतृत्व है जो अमेरिका की कार्रवाइयों को उचित ठहराता है। क्या यह पूर्व विदेश सेवा के राजनयिक से राजनेता बने डॉ. एस जयशंकर नहीं थे जिन्होंने 6 फरवरी को एक बयान में कहा था– 'आईसीई द्वारा उपयोग किए जाने वाले विमान द्वारा निर्वासन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया, जो 2012 से प्रभावी है, मैं दोहराता हूं, जो 2012 से प्रभावी है, प्रतिबंधों के उपयोग का प्रावधान करती है।

तो क्या निशांत कुमार की सियासी लॉन्चिंग से वंशवादी लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी?

कमलेश पांडे

वंशवादी लोकतंत्र का क्रांतिकारी भूमि बिहार में अपनी गहरी जड़ें जमाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है! यह लोकतंत्र की जननी वैशाली की मूल भावनाओं को मुंह चिढ़ाने जैसा है। ऐसा इसलिए कि सुबाई राजनीति को विगत 4 दशकों तक प्रभावित करते रहने वाले राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री बिहार, जदयू के मुखिया नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री बिहार और लोजपा आलाकमान रहे स्व. रामविलास पासवान, पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार ने अपने-अपने लाडले क्रमशः तेजस्वी यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री बिहार, चिराग पासवान, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार और निशांत कुमार, सीएम इन वेटिंग, बिहार को अपनी राजनीतिक विरासत (सियासी जमींदारी) सौंप चुके हैं!

इस मामले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भले ही देरी से फैसला किया हो, लेकिन देर आयद दुरुस्त आयद की भांति वो निशांत कुमार के लिए अपने समर्थकों से मजबूत फील्डिंग भी करवा रहे हैं। इससे प्रदेश की राजनीति में कई सवाल पैदा हो रहे हैं, क्योंकि चाहे कांग्रेस हो या भाजपा, एक दूसरे को शिकस्त देने के लिए इन क्षेत्रीय राजनीतिक सूबेदारों को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस की राह पर भाजपा का चलना देश की वैचारिक राजनीति के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जबकि भाजपा को इतनी ऊंचाई देने वाली टीम का मानना है कि चूंकि लोहा ही लोहे को काटता है, इसलिए कांग्रेस मुक्त भारत के लिए वो लोग जैसे को तैसा वाली राजनीति देंगे।

भाजपा की इसी सोच का फायदा उठाते हुए उसके दो बड़े कद्दावर नेताओं यानी पार्टी में नम्बर 2 की हैसियत रखने वाले अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री, भारत सरकार और नम्बर 3 की हैसियत पर जा चुके राजनाथ सिंह, केंद्रीय रक्षा मंत्री, भारत सरकार भी अपने पुत्रों क्रमशः जय शाह और पंकज सिंह-नीरज सिंह को महत्वपूर्ण पदों तक पहुंचा चुके हैं! यदि देखा जाए तो कांग्रेस और भाजपा के अलावा जितने भी यूपीए या एनडीए समर्थक क्षेत्रीय दल हैं, वो भी अपने अपने पुत्रों को अपनी राजनीतिक विरासत सौंप चुके हैं या ऐसी तैयारी में हैं।

इसलिए कहा जा सकता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को, सबसे सफल लोकतंत्र को हमारे नेताओं ने वंशानुगत राजतंत्र की तरह ही वंशानुगत लोकतंत्र में तब्दील कर दिया है। यदि कुछ बची-खुची कसर है तो वो गुजरते दशक या आने वाले दशक में पूरी हो जाएगी। इसका कारण प्रतिभाशाली डीएनए है या पूंजीवादी षड्यंत्र, यह आपको बाद में पता चलेगा। क्योंकि यूपी के समाजवादी पार्टी प्रमुख रहे स्व. मुलायम सिंह यादव, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश अपनी सत्ता अपने जीवनकाल में ही अपने पुत्र अखिलेश यादव को सौंप चुके थे। वहीं महाराष्ट्र के शिवसेना प्रमुख रहे

स्व. बाला साहेब ठाकरे अपनी राजनीतिक विरासत अपने पुत्र उद्धव भाऊ ठाकरे, पूर्व मुख्यमंत्री महाराष्ट्र को सौंप चुके हैं। ये तो महज बानगी भर है, जबकि इसकी फेहरिस्त बड़ी लंबी है।

इसके पीछे अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि जब नौकरशाह का बेटा नौकरशाह, न्यायाधीश का पुत्र न्यायाधीश, उद्यमी का बेटा उद्यमी बन सकता है तो किसी राजनेता का बेटा राजनेता क्यों नहीं बन सकता है! बात में तो दम है, लेकिन भारतीय संविधान भी इस विषय में मौन है! इससे साफ है कि सत्ता को एक अलग सोच होती है जो राजतंत्र, लोकतंत्र और तानाशाही में भी लगभग एक समान होती है। यह सोच है वंशवादी सोच, जहां राजा या नेता खुद को महफूज समझता है।

यदि आप आजादी के आंदोलनों, संपूर्ण क्रांति और अन्ना हजारे के आंदोलनों पर गौर करेंगे तो यह साफ पता चलेगा कि इन सबका कुछ अघोषित एजेंडा रहा है, जिसमें व्यक्तिवाद, सम्पर्कवाद और वंशवाद सर्वोपरि है। कहीं यह साफ दिखता है तो कहीं पर यह घुमाफिरा कर, लेकिन मूल मर्म यही कि सत्ता बड़ी बेवफा होती है, इसलिए चाहे जैसे भी हो इसे अपने परिवार के खूंटे से बांधे रहो। नेहरू-गांधी परिवार, संघ परिवार और क्षेत्रीय जातीय राजनीतिक परिवारों की सफलता-विफलता का कारण भी यही है।

हैरत की बात तो यह है कि जो समाजवादी-राष्ट्रवादी 1970-80-90 के दशक तक नेहरू-गांधी परिवार के वंशवाद का विरोध कर रहे थे, और तख्त बदल दो ताज बदल दो, वंशवाद का राज बदल दो जैसे नारे लगा रहे थे, उन्होंने कैसा क्षेत्रीय वंशवाद चलाया, अब जगजाहिर हो चुका है। हालांकि, इनमें सबसे धैर्यशाली निकले बिहार के कद्दावर मुख्यमंत्री और जदयू सुप्रीमो नीतीश कुमार ने भी जब अपने बेटे निशांत कुमार को सियासत में उतारने की हरी झंडी दे दी और उनके संग गुलदस्ता वाली फोटो वायरल करवा दिया, तो लोगों के दिलोदिमाग में इस वंशवादी लोकतंत्र को लेकर कई सवाल पैदा हो रहे हैं।

पहला सवाल यह कि क्या पारिवारिक लोकतंत्र से आम भारतीयों का भला हो पाएगा? दूसरा सवाल यह कि, जो लोग हर बात में ब्राह्मणों या सवर्णों को कोस रहे थे, उन्होंने सत्ताधीश बनने के बाद कैसा आचरण प्रस्तुत किया? तीसरा सवाल यह कि, वंशवादी नेताओं ने अकूत सम्पत्ति जमा करते हुए हमारे देश की राष्ट्रीय सम्पदाओं को निजी हाथों में सौंपते जा रहे हैं और कोई राजनीतिक चहलकदमी नहीं दिखाई-सुनाई पड़ रही है, क्या इससे आम आदमी का भला होगा? चौथा सवाल यह है कि आरक्षण और सामाजिक न्याय, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद, क्षेत्रीयता बनाम राष्ट्रीयता का हश्र आने वाले दिनों में क्या होगा।

यह सवाल इसलिए कि जब तपे-तपाए नेताओं की जगह उनके अनुभवहीन पुत्र ले लेते हैं तो सिस्टम वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाता है, जैसा कि उससे उम्मीद किसी भी सभ्य समाज को होती है। इससे पार्टी और नेता, दोनों कमजोर होते हैं। सत्ता से हट जाते हैं। लेकिन जब उनका लक्षित दुरुपयोग एक दूसरे को शह-मात देने के लिए किया जाता है तो स्थिति काफी विकट हो जाती है। भारत और भारतीय जनमानस इसी संक्रमण कालीन स्थिति से गुजर रहे हैं।

चाहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हों, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हों, या इन जैसे अन्य नेतागण, जिन्होंने वंशवादी किले को बारीकीपूर्वक जमींदोज किया और खुद मठाधीश बन बैठे। ऐसे में बिहार में पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुनि चौधरी के पुत्र और मौजूदा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (कुशवाहा जाति) की सियासी धार को कुंद करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार (कुर्मी जाति) की जो सियासी लॉन्चिंग हो रही है, उससे लवकुश समाज की राजनीति कितनी मजबूत होगी, यह तो वक्त बताएगा।लेकिन जब उम्र गत कारणों से नीतीश कुमार राजनीति से अवकाश लेने के मुहाने पर खड़े हैं, तब उन्होंने अपने पुत्र की सियासी लॉन्चिंग कराकर यह संदेश दिया है कि भाजपा और कांग्रेस चाहे जो मंसूबे पाले, लेकिन बिहार की भावी राजनीति तेजस्वी यादव, निशांत कुमार, चिराग पासवान के ही इर्द-गिर्द घूमेगी।

यही वजह है कि बिहार में निशांत कुमार की शानदार लॉन्चिंग का गुप्त ठेका तेजस्वी यादव ने ले लिया है। उनका यह कहना कि प्रधानमंत्री मोदी ने नीतीश जी को 'लाडला' मुख्यमंत्री कहा। हालांकि, एक बार नीतीश पर भोजन की प्लेटें छीन लेने का आरोप भी उन्होंने ही लगाया था। उन्होंने कहा कि बिहार ने अपना मन बना लिया है। इसलिए बीजेपी यहां सत्ता हासिल नहीं कर पाएगी।

दिल्ली को विश्वस्तरीय अत्याधुनिक राजधानी बनाने का उचित अवसर

दीपक कुमार त्यागी

देश का दिल दिल्ली की पहचान दुनिया भर में भारत की राजधानी के रूप में होती है, जो एक केंद्र शासित प्रदेश के रूप में चलती है, जहां पर कुछ शक्तियां राज्य सरकार व कुछ शक्तियां केंद्र की सरकार के पास होती है। केंद्र व राज्य दोनों के बेहतर सामंजस्य से ही दिल्ली का शासन बेहतर ढंग से चल सकता है। देश की राजधानी होने के चलते दिल्ली में ही भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य व अन्य न्यायाधीश, सेनाध्यक्ष, केंद्रीय कैबिनेट, दिल्ली के उप राज्यपाल, मुख्यमंत्री आदि बहुत सारे देश के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन लोग रहते हैं, राजधानी होने के चलते दिल्ली में राजकीय व अधिकांश केंद्रीय कार्यालय भी है। रोजी-रोटी, शिक्षा चिकित्सा व देश की सबसे ताकतवर सत्ता का मुख्य केंद्र बिंदु होने के चलते ही देश की आजादी के बाद से ही दिल्ली की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई थी। दिल्ली में तेजी से बढ़ती आबादी की समस्याओं के समाधान करने के उद्देश्य के लिए वर्ष 1962 में बने दिल्ली के पहले ही मास्टर प्लान में यह सिफारिश की गई थी कि दिल्ली के साथ-साथ इसके आसपास के राज्यों के शहरों को भी एक उप महानगरीय क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए। जिस परिकल्पना को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए वर्ष 1985 में नेशनल केपिटल रिजन प्लानिंग बोर्ड की शुरूआत की गई थी। जिससे इस पूरे क्षेत्र में व्यवस्थित विकास के लिए कार्य योजना बना करके उसका धरातल पर कार्यान्वयन किया जा सकें और एनसीआर क्षेत्र में शामिल किसी भी क्षेत्र का विकास अव्यवस्थित ढंग से होने से रोका जा सकें। दिल्ली को बेहतर बनाने के लिए ही वर्ष 1985 में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान के कुछ जनपदों को मिलाकर के दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो घोषित कर दिया गया था, लेकिन चार राज्यों व केंद्र की सरकारों के बीच का मामला होने के चलते उस वक्त की गयी पूरी प्लानिंग आज तक भी धरातल पर पूरी तरह से परवान नहीं चढ़ पाई है। जिसका बड़ा खामियाजा दिल्ली व एनसीआर की जनता लगातार भुगत रही है। सिस्टम को सर्वोच्च न्यायालय की बार-बार फटकार लगने के बावजूद भी दिल्ली व एनसीआर के निवासी स्वच्छ पेयजल व स्वच्छ सांसों तक के लिए तरस गये है। आज खराब पानी व प्रदूषित वायु के चलते दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के बड़ी संख्या में पेट, लीवर व फेफड़ों से संबंधित रोगी आसानी से मिल जाते हैं। हालांकि हम भारतवासियों की यह खूबी है कि हम विपरीत से विपरीत स्थिति में भी उम्मीद की लो जलाकर रखते हैं। जिसके चलते ही आज भी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान के एनसीआर क्षेत्र के निवासियों का सपना है कि उनको भी एक दिन दिल्ली की तरह ही उच्च गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, बेहतरीन

चिकित्सा, विश्वस्तरीय अत्याधुनिक सुविधाएं, रोजी-रोटी, व्यापार करने का अवसर मिलेंगे, जिस उद्देश्य को पूरा करने के लिए केंद्र शासित दिल्ली राज्य में कभी एनसीआर के क्षेत्र को जोड़ा गया था, लेकिन अफसोस वह आज तक भी अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाया। जिसके चलते ही अब एनसीआर क्षेत्र के एक बहुत बड़े वर्ग का मानना है कि देश का दिल दिल्ली राज्य अपनी सीमाओं का विस्तार करते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए कार्य करें। लेकिन देश में आये दिन क्षणिक स्वार्थों से पूर्ण राजनीति होने के चलते कभी भी देशहित की इस दूरगामी रणनीति पर किसी भी राजनीतिक दल ने कोई विशेष रणनीति बनाकर कार्य नहीं किया है। लेकिन जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है, तब से बहुत सारे लोगों के मन में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की जगह अब बृहद दिल्ली राज्य के निर्माण विचार आने लगा है। क्योंकि फिलहाल केंद्र सरकार के साथ-साथ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान में एक ही दल भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है और सबसे बड़ी बात यह है कि उस राजनीतिक दल के सर्वेसर्वा नरेन्द्र मोदी के पास राजनीति से ऊपर उठकर के देश के नव निर्माण करते हुए, भारत को विश्वगुरु बनाने का जज्बा मौजूद है। लोगों को लगता है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बृहद दिल्ली या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) अंतरराज्यीय क्षेत्रीय योजना और अत्याधुनिक विकास का एक अद्वितीय उदाहरण बन सकता है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के कुछ जनपदों को मिलाकर बनने वाले लगभग 55,083 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल का विश्वस्तरीय विकास हो सकता है। यहां आपको बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के कई महत्वपूर्ण शहर भी शामिल हैं। एनसीआर के क्षेत्र का आज भी दिल्ली से कई सौ किलोमीटर तक विस्तार है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र,1985 के नियोजन बोर्ड के कानून के अनुसार, इस अधिसूचित क्षेत्र में दिल्ली का 1,483 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्रफल आता है। वहीं उत्तर प्रदेश के मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलन्दशहर, हापुड, बागपत, शामली और मुजफ्फरनगर जनपद का 14,826 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आता है। वहीं हरियाणा के फरीदाबाद, गुरुग्राम, नूँह, रोहतक, सोनीपत, रिवाडी, झज्जर, पानीपत, पलवल, भिवानी, चरखी दादरी, महेन्द्रगढ, जींद और करनाल का 25,327 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आता है। राजस्थान के अलवर और भरतपुर का 13,447 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आता है। जिस क्षेत्र को कुछ कम करते हुए भी बृहद दिल्ली राज्य का निर्माण अब इन राज्यों की सहमति से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व आसानी से किया जा सकता है। वैसे भी देखा जाये तो उस वक्त देश के नीति-निमार्ताओं का एनसीआर क्षेत्र बनाने के पीछे मकसद था कि दिल्ली के स्थाई निवासियों के साथ-साथ दिल्ली में आजीविका की तलाश में आ रहे देश के अन्य राज्यों के लोगों को रोजी-रोटी, घर, पानी, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा, बेहतर कनेक्टिविटी के साथ सार्वजनिक परिवहन जैसी बुनियादों सुविधाओं की कमी का सामना ना करना पड़े। जिसके चलते ही एनसीआर में शामिल होने वाले अन्य राज्यों के कुछ जिलों का विकास राज्य के अन्य जिलों के मुकाबले बहुत तेजी से हुआ। यहां पर लोगों को रोजी-रोटी, घर, बिजली, पानी के साथ-साथ बेहतर प्राथमिक व उच्च शिक्षा, चिकित्सा सुविधा, आधुनिक बस, मेट्रो व रेपिड रेल जैसी विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी की सुविधाएं मिलने से लोगो के रहन-सहन व जीवन स्तर में काफी सुधार हुआ है। लेकिन एनसीआर के गठन के समय के बहुत सारे उद्देश्य अब भी बाकी है, समय-समय पर राज्यों की आपसी खींचतान के चलते इस पूरे क्षेत्र में काम करने की बहुत गुंजाइश बाकी है। वैसे भी यह पूरा क्षेत्र ऐसा है कि अगर इस क्षेत्र में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो, कानून व्यवस्था बेहतर हो, कल-कारखाने लगें हो, क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रित हो, नदियां स्वच्छ हो, भूजल रिचार्ज करने का कार्य हो, हरित पट्टी व वन्य क्षेत्र विकसित हो, भूकंप रोधी अत्याधुनिक भवनों व इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो, विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन तंत्र जाल बिछा हुआ हो, शिक्षा, चिकित्सा, रोजी-रोटी की भरमार हो, पूरा क्षेत्र सामरिक दृष्टिकोण से हर वक्त तैयार हो, आर्थिक दृष्टिकोण से मजबूत हो, तो उसका जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव पूरे देश की जीडीपी पर पड़ेगा, देश सामरिक रूप से मजबूत होगा। इसलिए बृहद दिल्ली का निर्माण या एनसीआर के पूरे क्षेत्र का नव निर्माण करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास यह शानदार अवसर है।

जल संकट को कैसे दूर कर सकते हैं?

बाबा मायाराम

हाल के कुछ बरसों से किसानों की एक बड़ी समस्या है बारिश न होना या अनियमित होना। भूजल बरसों में एकत्र होता है, यही हमारा सुरक्षित जल भंडार है। फिर बिना बिजली के उसे ऊपर खींचना मुश्किल है। पूर्व से आसन्न बिजली का संकट साल दर साल बढ़ते जा रहा है। यानी ऊर्जा का संकट भी है। गर्मी के मौसम की शुरूआत से ही पानी की समस्या की खबरें आने लगी हैं। यह संकट साल दर साल बढ़ता जा रहा है। अब यह मौसमी नहीं, स्थायी हो गया है। यह समस्या प्रकृति से तो जुड़ी है, पर कुछ हद तक मानवनिर्मित भी है। आज इस कॉलम में पानी की समस्या पर विस्तार से चर्चा करना चाहूंगा, जिससे इसे समग्रता से समझा जा सके।

हम देख रहे हैं कि बहुत ज्यादा लंबा अरसा नहीं हुआ, जब मध्यप्रदेश में बहुत समृद्ध वन हुआ करते थे। सदानीरा नदियां थीं। गांव में कुएं, तालाब, बावड़ियां थीं। नदी-नालों में पानी की बहुतायत थी। वर्षा जल को छोटे-छोटे बंधानों में एकत्र किया जाता था, जिससे सिंचाई, घरेलू निस्तार और मवेशियों को पानी मिल जाता था। किसान पहले बैलों से चलने वाली मोट से सिंचाई करते थे। गांव में कच्चे मिट्टी के घर होते थे। घर के आगे-पीछे काफी जगह होती थी। खेती किसानी के काम में घरों में बड़ा आंगन होता था। घर के पीछे सब्जी-बाड़ी होती थी। बाड़ी में हरी सब्जियां लगाई जाती थी। मुनगा, आम, अमरूद, नींबू के पेड़ होते थे। भूमि की सतह का पानी नीचे जज्ब होता था और धरती का पेट भरता था। यानी भूजल ऊपर आता था।

छुटपन में हमारे घर कुएं से पानी आता था। हम नदी में नहाने जाते थे। वहीं मवेशी भी पानी पीते थे। वहां तरबूज-खरबूज की खेती होती थी। मछुआरे मछली पकड़ते थे। कम पानी वाली फसलें होती थी या बिना सिंचाई के भी फसलें हुआ करती थी। बिर्रा (गेहूं और चना मिलवां) खेती होती थी। अरहर, ज्वार होती थी। उड़द-मूंग व कोदो कुटकी होती थी। मवेशियों को चरने के लिए जंगल व परती जमीन हुआ करती थी। लम्बे घास के मैदान हुआ करते थे। नदी के किनारे भी काफी जगह होती थी, वहां मवेशी चरते और पेड़ों की छाया में बैठते थे।

लेकिन अब जंगल कम हो गए हैं, पेड़ कटते जा रहे हैं, परती जमीन भी दिखाई नहीं देती है। यहां सतपुड़ा पहाड़ों से निकलने वाली नदियां दम तोड़ रही हैं। कुएं, तालाब, बावड़ियां सूख गए हैं। ज्यादा पानी पीने वाली बोनी किस्मों को पानी पिलाने नलकूप खोदे जा रहे हैं। तालाब पट गए हैं। जैव विविधता में मिट्टी के बाद पानी एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जीवन के लिए हवा के बाद पानी बहुत ही महत्वपूर्ण है, जिसे संजोया जाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। भोजन के बिना तो कुछ दिन जिया जा सकता है, लेकिन पानी के बिना जीना मुश्किल है। भोजन और पानी ऐसा संसाधन है, जिसे कृत्रिम रूप से बनाया नहीं जा सकता है।

सर्वोदय शांतिदूत

सभी सुधी पाठकों से अनुरोध है कि अपने आसपास होने वाली किसी भी घटना की जानकारी, समाचार, विज्ञप्ति या किसी भी कार्यक्रम की कवरेज के लिए हमसे संपर्क करें।

हमारा पता है

**बी - 1352, राजीव कोलोनी,
नियर शांति निकेतन स्कूल, मोहन नगर, गाजियाबाद,
फोन नंबर - 9313907725**

www.sarvodayshantidoot.com

खुल्लम - खुला

प्रभुता पाई, काही मद नाही !

डॉ संजय त्रिपाठी

आजकल अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का जलवा दिख रहा। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप कुछ देशों के राष्ट्र अध्यक्षों को अपनी ताकत दिखाने में लगे हैं। कुछ तो दबी जुबान उनकी बातें सुन ले रहे हैं, कुछ इच्छा होते हुए भी कोई प्रतिक्रिया नहीं कर रहे, लेकिन जलेस्की ने कल ट्रंप का सारी मादकता उतार दिया। हालांकि देखा जाए तो दोनों के बीच जुबानी तकरार एक बहुत बड़ा विनाश का कारण भी बन सकता है, लेकिन ट्रंप दूसरी पारी खेलते हुए ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे यह मुझे उम्मीद है। बचपन से ही सुनते आया हूं कि अमेरिका विश्व का दादा है, वह सभी देशों को अपने अधीन रखना चाहता या किसी न किसी रूप में उस पर अपना अधिकार जमा कर रखता है। पहले कम्युनिस्ट पार्टी, बीजेपी और अन्य कांग्रेस की विरोधी पार्टियां अमेरिका के हर गतिविधियों के खिलाफ आंदोलन करती थी। इराक के खिलाफ अमेरिका द्वारा की गई बमबारी पर हमने भी एक बार गाजियाबाद में विरोध मार्च निकाला था, क्योंकि अमेरिका की दादागिरी मुझे भी अच्छा नहीं लगता था। कहां जाता है कि अमेरिका सिर्फ रूस से ही घबराता है क्योंकि रूस ही उसका मुकाबला कर सकता है।

कई लोगों से सुना है और कुछ लेखो में पढ़ा भी है की बांग्लादेश बंटवारे के समय पाकिस्तान के पक्ष में अमेरिका ने सातवां बेड़ा भेजा था तब रूस ने अपनी जंगी जहाज समुद्र में उतार दिया और अमेरिका को अपना कदम पीछे खींचना पड़ा। लोग यह भी कहते हैं कि स्वर्गीय इंदिरा गांधी अमेरिका की जवाब खुल कर दी हैं और कभी भी उससे डरी नहीं। यहां तक सुनने में आता है कि कांग्रेस के जो भी प्रधानमंत्री रहे वह कभी भी अमेरिका के सामने कमजोर नहीं दिखे तान कर रहे और जमकर जवाब दिया।

अब तक यही सुनता आया हूं कि हर देश के सामने अमेरिका अपना दादागिरी दिखाता है कुछ देशों को तो वह अपना गुलाम बना कर रखा है, जबकि अमेरिका भी एक पुराना लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका की आर्थिक मजबूती है, उसके नागरिक देशभक्त हैं और हर तरह के क्षमता वान हथियार उसके पास है। अब यह ताकत अमेरिका के नवनिर्मित राष्ट्रपति ट्रंप के पास है फिर उन्हें मद क्यों ना हो। मद का दूसरा नाम घमंड है। किसी भी व्यक्ति में जिस क्षेत्र में उसके पास ज्यादा क्षमता होता है वह कुछ क्षेत्र में घमंडी हो ही जाता है। ट्रंप भी आखिर क्यों घमंड ना करें क्योंकि उनके पास विश्व का दादा कहलाने की क्षमता है। तभी तो कहा गया है कि प्रभुता पाई काही मद नाही।

भारत के प्रधानमंत्री को देख लीजिए, हर क्षेत्र में देश नीचे जा रहा लेकिन मादकता बढ़ता जा रहा है। शेयर मार्केट पिछले 5 माह से लगातार नीचे गिर रहा, निफ्टी में 30 वर्षो के बाद सबसे बड़ी गिरावट हुई है। जीडीपी दिन पर दिन घट रहा, भारत में गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों की संख्या बढ़ती जा रही, उद्योग तथा लघु उद्योग चौपट होते जा रहे, शिक्षा का बेड़ागर्क हो गया है, डिग्री धारी बेरोजगार है, 5 किलो गेहूं और 5 किलो चावल देखकर देश के लोगों को जीलाया जा रहा, कुंभ में 67 करोड लोगों ने डुबकी लगाई, सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार कुंभ मेले में 30 मरे जबकि इनकी संख्या 80 के पार है और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 18 मरे कोई जवाब नहीं दे रहा। आम आदमी का जीवन कुत्ते बिल्ली से भी बद्तर हो गया है, सरकार जवाब देने के बजाय उसे छुपाने में लगी है। मीडिया चैनलों पर मुर्गा लड़ा रही और सच को पर्दा डाल रही, एक मुख्य चुनाव आयुक्त गए तो दूसरे उनके जगह पर आ गए जिसके पास भी वही हथियार है जो पहले वाले के पास था। कहां जाता है कि सैया भयो कोतवाल तो डर काहे का। इतनी खूबियां से अपना देश आगे बढ़ रहा फिर हमारे देश के प्रधानमंत्री को क्यों मद नहीं होगा वह कौन सा ट्रंप से पीछे है भले ट्रंप के सामने आवाज निकाले या ना निकले, लेकिन देश में जनता के सामने तो लंबी–लंबी फेंकने के लिए आवाज तो खूब निकलती है।

मादकता के प्रभाव में चूर ट्रंप हमारे देश के प्रधानमंत्री के सामने कई तरह का उदगार व्यक्त करते है। पहले आया की 21 मिलियन डॉलर भारत को दिया गया है बाइडेन के तरफ से देश की सत्ता को हटाने के लिए। बाद में ट्रंप ने मोदी जी का नाम लेते हुए कहा कि 21 मिलियन डॉलर मोदी दोस्त को दिया गया है। तब से भक्तों की, आईटी सेल की और चमचों का मुंह बंद हुआ है।

भ्रष्टाचार के मामले में ही कांग्रेस की सरकार सत्ता से हटाई गई थी। आज का भ्रष्टाचार पहले की अपेक्षा और बढ़ा है सभी जिलों सभी राज्यों में बड़े–बड़े ऑफिस का निर्माण हुआ है कई सड़कों में घोटाले की गई है फिर भी देश में भ्रष्टाचार का मुद्दा गायब है। यह भी मद के कारण है। कहां जाता है कि घमंडी और दंभी भी राजा की नागरिक सब कुछ मुंह बंद कर सहन करती है लेकिन उसकी राजा को धीरे–धीरे खत्म कर देता है। जो स्थिति रावण और कंस का हुआ वैसे ही मद भी और घमंडी राजा का होता है। तैयार रहें ऐसा समय एक दिन जरूर आएगा।

राम –राम जी ....!

स्वाध्याय व साधना से आत्मा की उन्नति व शारीरिक सुख का लाभ होता है

मनमोहन कुमार आर्य

परमात्मा ने जीवात्मा के कर्मों के अनुसार अनेकानेक प्राणी योनियां बनाई हैं। इन सब योनियों में जीवात्मायें अपने कर्म भोगों के अनुसार जन्म लेती हैं, कर्म करती हैं, कर्मों का भोग करती हैं और मृत्यु को प्राप्त होती हैं। मनुष्य योनि सभी प्राणि योनियों में सर्वश्रेष्ठ है। यही एक योनि है जिसमें मनुष्य आत्मा की उन्नति कर ईश्वर को जान व उसका साक्षात्कार करके अपवर्ग वा मोक्ष को प्राप्त हो सकता है। मनुष्य के जन्म का कारण उसके पूर्वजन्म के कर्म हुआ करते हैं। जन्म मनुष्य योनि में हो या अन्य किसी भी योनि में हो, सभी योनियों में जीवात्मा को अनेक प्रकार के दुःख होते हैं। इन सभी दुःखों से मुक्ति का एक ही उपाय होता है कि मनुष्य श्रेष्ठ कर्मों को करें जिससे अशुभ व पाप कर्मों का परिणाम दुःख प्राप्त न हो। पुण्य व शुभ कर्मों को करने पर भी सुखों की मात्रा तो बढ़ाई जा सकती है परन्तु जन्म, मृत्यु सहित आधिदैविक, आधिभौतिक तथा आध्यात्मिक दुःख तो सभी मनुष्यों व मुमुक्षुओं को भी होते ही हैं। अतः मुक्ति के लिये साधन व प्रयत्न करना आवश्यक होता है जिससे मनुष्य जन्म व मरण और इसके कारण होने वाले सभी प्रकार के दुःखों से बच जाये। इसी की शिक्षा हमें वेद व वैदिक

साहित्य में मिलती है। हमारे प्राचीन ऋषि, मुनि, योगी व ध्यानी उच्च कोटि के ज्ञानी पुरुष व महिलायें हुआ करती थीं। उन्होंने संसार का भली प्रकार से अध्ययन व विवेचन किया था। उन्होंने पाया था कि जीवात्मा का उद्देश्य आत्मोन्नति करते हुए मोक्ष की प्राप्ति करना ही है। आजकल की तरह धन कमाने की शिक्षा प्राप्त कर उचित व अनुचित साधनों से धन कमाना व इन्द्रिय व भौतिक सुखों को भोगना मनुष्य जीवन का लक्ष्य सिद्ध नहीं होता। भौतिक सुख रोग का कारण हुआ करते हैं। इससे सुख भोग का आधार व साधन हमारा शरीर निर्बल व रोगी हुआ करता है। अतः मयार्दा से अधिक भौतिक सुखों के भोग की इच्छा करना एक प्रकार से अपने साथ दुःख, रोग, निर्बलता एवं अल्प काल में मृत्यु को लेकर आता है।

उत्तर रेलवे में योग महोत्सव-2025 हर्षोल्लास से सम्पन्न

केवल मुस्कुराने से आप तनाव मुक्त, युवा एवं सुंदर बने रहते हैं: योगी प्रवीण आर्य

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

गाजियाबाद। रविवार को संकेत एवं दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्र उत्तर रेलवे गाजियाबाद में सत्य योग आश्रम ट्रस्ट के तत्वावधान में योग महोत्सव-2025 हरि प्रसाद (प्राचार्य एसटीटीसी उ.रे.) की अध्यक्षता में हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ।उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को अपने उद्बोधन में योग के प्रति जागरुक रहने की प्रेरणा दी।

योग सत्र का प्रारंभ योगी प्रवीण आर्य ने ओ३म् की ध्वनि एवं गायत्री मंत्र से किया उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को विरेचन क्रिया एवं आर्ट ऑफ लिविंग भस्त्रिका के साथ हाथों पैरों के सूक्ष्म व्यायाम तथा रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और हार्ट को मजबूत करने के अभ्यास कराये।उन्होंने मुस्कुराने के लाभों की प्रैक्टिकल चर्चा करते हुए बताया कि केवल मुस्कुराने से आप तनाव मुक्त,युवा एवं सुंदर बने रहते हैं।

विशेष आमंत्रित डॉ वीरपाल विद्यालंकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप जो यह रेलवे का प्रशिक्षण लेकर जनता के बीच कार्यक्षेत्र में उतरेंगे वहां मनोयोग एवं एकाग्रता का होना इस कार्य में आवश्यक है जोकि आपको ध्यानयोग के माध्यम से प्राप्त होगी।

समयोग फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ.दानवीर विद्यालंकार के सानिध्य में योग मर्मज्ञा पूजा वर्मा ने योग का सुन्दर प्रदर्शन किया जोकि सत्र में आकर्षण का केंद्र रहा।उन्होंने ध्यान योग कराया ध्यान के लाभों की विस्तृत चर्चा करते हुये बताया कि ध्यानयोग ही जीवन का आधार है। इसी के माध्यम से आप एकाग्रचित होकर कार्य कर सकेंगे।उन्होंने तालासन एवं हास्यासन भी कराये। समारोह के मुख्य वक्ता स्वदेशी आयुर्वेद के निदेशक डॉ. आर के आर्य ने साधकों को संबोधित करते हुए कहा की पूरी दुनियां में योग का डंका बज रहा है योग महोत्सव में जो कुछ आपने यहाँ योग विशेषज्ञों से सीखा है उसे जीवन में बनाये रखें ताकि सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे। यदि अपने योग को अपनाया और अपने परिवार में सब को सिखाया तो आप सभी निरोगी एवं स्वस्थ बने रहेंगे। मुख्य अतिथि मदनलाल हरित समाजसेवी ने कहा कि योग हमारी प्राचीन धरोहर है जिसको बाबा रामदेव ने योग के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा की है।उन्होंने योग प्रदर्शन को देखकर प्रसन्नता व्यक्ति और ओम के गूंजार के लाभों की चर्चा की।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष योगी प्रवीण आर्य ने सुमधुर संगीत योग गीत एवं चलते चलो मुसाफिर पुरुषार्थ के सहारे मंजिल तुम्हें पुकारे,योग सत्र को अपने भजन के माध्यम से पुरुषार्थी बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर सर्वडॉ राज योगी,चौधरी मंगल सिंह,डॉ प्रमोद सक्सेना एवं विशिष्ठ अतिथि प्रो ज्योति राघव आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्वराकेश कुमार, रंजन शाह, राजेंद्र कुमार, नंदकिशोर, सुभाष चंद्र, सतीश कुमार सिंह एवं फैजान अहमद का सहयोग रहा। मंच का कुशल संचालक कर रहे डॉ. अग्नि देव शास्त्री ने धन्यवाद ज्ञापन एवं शांति पाठ से सर्वम शांति की कामना की।

शालीमार गार्डन गुरुद्वारा साहिब की प्रबंध कमेटी का चुनाव सम्पन्न

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

गाजियाबाद। गुरुद्वारा साहिब शालीमार गार्डन में आयोजित सभा में हिंडन पार के सभी गुरुद्वारा साहिब की कमेटी ने हिस्सा लिया जिसमें हिंडन पार साहिबाबाद के सभी गुरुद्वारा साहिब के प्रधान मौजूद रहे सभा की अध्यक्षता गाजियाबाद सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह ने की।

शालीमार गार्डन गुरुद्वारा साहिब की प्रबंध कमेटी का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ जिसमें श्याम पार्क गुरुद्वारा साहिब के प्रधान सरदार जसविंदर सिंह, इंदिरापुरम गुरुद्वारा साहिब के प्रधान गुरप्रीत सिंह रममी,नामधारी गुरुद्वारा साहिब के सुबा जगतार सिंह भट्टी, जनकपुरी गुरुद्वारा साहिब की प्रधान बीबी अमरजीत कौर अध्यक्ष, जनकपुरी गुरुद्वारा साहिब के सरदार निर्मल सिंह चेयरमेन, देवेंद्र सिंह,चरण सिंह, लाजपत नगर से रमनदीप सिंह वालिया, नवीन पार्क गुरुद्वारा साहिब के जनरल सेक्रेटरी जगजीत सिंह,सबकी उपस्थिति में गुरुद्वारा साहिब का चुनाव किया गया जिसमें इकबाल सिंह पन्नू को प्रधान,हरपाल सिंह को कार्यवाहक प्रधान, सेक्रेटरी सरदार रविंदरजीत सिंह को सर्व समिति से चुनाव किया गया।

इस चुनावी कार्यक्रम में तेजपाल सिंह बिंद्रा,चरणजीत सिंह,लखविंदर सिंह, योगेंद्र सिंह,महेंद्र सिंह कोहली,गुरु चरण सिंह,अमरजीत सिंह सोनू,सुखविंदर सिंह विरदी, राणा विर्दी, इकबाल सिंह, हरमीत सिंह,गुरमुख सिंह,अमरजीत सिंह के ब्लॉक, हरमीत सिंह शालीमार गार्डन, तलविंदर सिंह, बलराज सिंह, सर्बजीत सिंह बलदीप सिंह,करणदीप सिंह,अवतार सिंह सैकड़ो की संख्या में संगत मौजूद रही।

गाजियाबाद सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार मनजीत सिंह ने कहा गुरुद्वारा साहिब की कमेटी अपने कार्य में में पारदर्शिता लाए मिलजुलकर कार्य करें गुरुद्वारा एक पवित्र जगह है इसकी पवित्रता को संभालना संगत का काम है मनजीत सिंह ने उम्मीद जताई सभी लोग मिलजुलकर कार्य करेंगे समाज में अपनी भूमिका जिम्मेदारी से निभाने का कार्य करेंगे

सांसद अतुल गर्ग के नेतृत्व में गोवा पहुँचीं 73 सदस्यों की टीम

गाजियाबाद (सर्वोदय शांतिदूत)। विधायक संजीव शर्मा, अजीत पाल त्यागी, नंदकिशोर गूजर और संगठन के अनेकों पदाधिकारियों और व्यापारियों सहित गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग गोवा पहुंचे।

रमते राम रोड से मालीवाडा चौक तक अवैध अतिक्रमण पर चला निगम का अभियान, व्यापारियों ने किया सहयोग

सिटी जोन अंतर्गत अतिक्रमण हटाने हेतु चला निगम का बुलडोजर, 3 लाख की हुई वसूली

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार सिटी जोन अंतर्गत रमते राम रोड से लेकर मालीवाडा चौक तक अवैध अतिक्रमण हटाने का बृहद अभियान गाजियाबाद नगर निगम द्वारा चलाया गया मौके पर जोनल प्रभारी महेंद्र तथा अन्य टीम रही पुलिस विभाग द्वारा सहयोग किया गया, व्यापारियों द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम के इतिहास में 35 साल बाद ऐसा बड़ा अभियान चला है जिसके क्रम में मालीवाडा जैसे अवरुद्ध एरिया में बुलडोजर के माध्यम से अवैध अतिक्रमण हटाया गया है। जोनल प्रभारी द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त महोदय के निर्देश पर सिटी जोन मालीवाडा क्षेत्र में अभियान चलाया गया काफी समय से नालों पर हुए अतिक्रमण की शिकायत प्राप्त हो रही थी जिसका संज्ञान लेते हुए अभियान चलाया गया मौके पर व्यापारियों द्वारा भी सहयोग किया गया आवागमन सरल बनाया गया अवैधतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई स्थाई अतिक्रमण को बुलडोजर के माध्यम से हटवाया गया, लगभग 3 लाख की वसूली भी की गई है निगम की टीम द्वारा खींची गई पीली पट्टी की सीमा में मोबाइल के रूप में रहरी पटरी ठेला लगाने के लिए अपील की गई है आवागमन बाधित न हो विशेष ध्यान रखने के लिए जन-जन को जागरूक किया जा रहा है।

लगभग सवा मीटर तक मार्गों को खाली करते हुए मालीवाडा चौक पर अभियान चलाया गया समय-समय पर सभी जोन अंतर्गत इसी क्रम में अभियान चलाने के लिए नगर आयुक्त द्वारा टीम को निर्देशित किया गया है, मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी उपस्थित रही जिनके द्वारा चालान की कार्यवाही की गई, वसुंधरा की टीम भी मौके पर रही।

कलश यात्रा के साथ श्री रामकथा ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

नोएडा। श्री दुर्गा माता मंदिर जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा सेक्टर 73 मे आयोजित श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का कलश यात्रा के साथ आरम्भ हो गया। कलश यात्रा प्राचीन शिव मंदिर से शुरू होकर सेक्टर और सरफाबाद मे होती हुई कथा स्थल पर पूर्ण हुई। कलश यात्रा मे सैकड़ो की संख्या मे महिलाओ ने कलश उठाया। श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ की शुरूआत सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य प्रकाश वीर ने दीप प्रज्वलित कर किया। आज की कथा मे व्यास पीठ पर बैठे कथा वाचक श्री रविशंकर पाण्डेयमहराज ने भगवान राम के जीवन और उनके चरित्र की महिमा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि राम नाम की महिमा अपरंपार है, राम नाम का बहुत महत्व है ' राम नाम सबसे बड़ा मंत्र है जिसके जप से मानव इस भव सागर से तर जाता हैं ' श्री राम कथा मे ज्योतिषाचार्य सुरेश पाण्डेय, पत्रकार प्रफुल्ल पांडेय, दिवाकर मिश्रा, मयंक शर्मा, अतुल सोनी, विमला कोठरी, संरक्षक वीरेंद्र सिंह, सह संरक्षक दीपक भारद्वाज, बालेन्द्र प्रताप सिंह, शैलेश सिंह, भानु पाण्डेय, महावीर शर्मा, माता प्रसाद उपाध्याय, कृष्ण पाल शर्मा, विकास ठाकुर, विपिन, विजय आदि के साथ सैकड़ो की संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद ने मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार युवाओं को देगा रोजगार, स्टार्टअप एवं वैश्विक नेतृत्व क्षमता: देवेंद्र कुमार

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

गाजियाबाद। नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद एवं माय भारत गाजियाबाद, खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान एवं देवेंद्र कुमार उपनिदेशक के मार्गदर्शन में आज राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स कॉलेज गाजियाबाद में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती नीतू चावला एवं देवेंद्र कुमार उपनिदेशक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया ।इस अवसर पर श्रीमती शशी खन्ना रजिस्टर डॉक्टर वीना दलानिया, डॉक्टर संगीता सोलंकी, श्रीमती शशी खन्ना, संयोजिका, गीतांजली खुराना, सहायक प्रोफेसर सुपल्लवी शर्मा कार्यक्रम अधिकारी एन एस एस उपस्थिति रही। कार्यक्रम के पृष्ठभूमि के विषय में देवेंद्र कुमार उपनिदेशक नेहरू युवा केंद्र ने बताया की चंद्रशेखर रमन ने 28 फरवरी 1928 भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में जो रमन प्रभाव की खोज की थी उनके सम्मान में यह दिन हर वर्ष 28 फरवरी को मनाया जाता है। इसी खोज के लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। इस वर्ष इस दिन का थीम 'विकसित भारत के निर्माण में विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नवाचार के प्रति जागरूकता एवं लगाव पैदा करना है। आज ही राम चमेली चढ़ा विश्वास गर्ल्स कॉलेज में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ भी किया गया। प्रधानाचार्य श्रीमती नीतू चावला ने तकनीकी के सदुपयोग विषय पर अपने विचार रखें। ज्ञान दिवस के उपलक्ष में एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें आकांक्षा पालक और भूमिका एवं सीमा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेताओं में अपना स्थान बनाया कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं को प्राचार्य नीतू चावला उपनिदेशक देवेंद्र कुमार तथा उन अतिथियों ने प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद की तरफ से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों एवं छात्रों ने पौधारोपण कर पर्यावरण को बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती पल्लवी शर्मा अंजू सिंह के निर्देशन में किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नीलम श्रीवास्तव ने किया कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तालिब ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

निशक्त छात्रा को हंसराज कॉलेज एसओएल स्टडी सेंटर पर दूसरी मंजिल तक घिसटने को किया गया मजबूर!

सर्वोदय शांतिदूत नेटवर्क

नई दिल्ली। क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली विश्वविद्यालय के निशक्त छात्रों के साथ मिलकर कल डीयू के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के स्टडी सेंटरों पर निशक्त छात्रों (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारों के घोर उल्लंघन और अपमान के खिलाफ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। ज्ञात हो कि एसओएल के विभिन्न स्टडी सेंटरों पर या तो निशक्त छात्रों के लिए सुविधाएँ उपलब्ध ही नहीं है। और अगर सुविधाएं मौजूद भी हैं, तो एसओएल के निशक्त छात्रों को इनका इस्तेमाल करने नहीं दिया जाता है। इन स्टडी सेंटरों के कर्मचारी निशक्त छात्रों से अमानवीय व्यवहार करते हैं। यह फिर एक बार उजागर करता है किस तरह से एसओएल छात्रों के साथ भेदभाव और शैक्षणिक रंगभेद अभी भी बदस्तूर जारी है।

ज्ञात हो कि बीते रविवार को हंसराज कॉलेज में एसओएल की पीसीपी क्लास के दौरान निशक्त छात्रों के लिए बने वॉशरूम, लिफ्ट, स्टेयर-लिफ्ट बंद होने के चलते एक निशक्त छात्रा को बेहद ही शर्मिंदगी-भरी और अमानवीय परिस्थिति का सामना करना पड़ा। हंसराज कॉलेज में एसओएल छात्राओं की क्लास होती है। रविवार को क्लास लेने आई एक निशक्त छात्रा को दूसरी मंजिल तक घिसटते हुए जाने को मजबूर होना पड़ा, क्योंकि लिफ्ट और स्टेयर-लिफ्ट को एसओएल छात्रों के लिए बंद रखा गया था। यही नहीं, कॉलेज में रविवार को निशक्त छात्रों के लिए बने शौचालय भी जानबूझकर बंद रखे गए थे, जिसके कारण निशक्त छात्रा को गंदे और गीले आम शौचालय में ही जाने को मजबूर होना पड़ा। इससे उसे न सिर्फ असुविधा और शर्मिंदगी उठानी पड़ी, बल्कि उसके सम्मान को भयंकर ठेस पहुंची। इतना ही नहीं, वहां पर मौजूद गार्ड और अन्य अधिकारियों के संवेदनहीन व्यवहार के कारण निशक्त छात्रा को भारी मानसिक सदमे से भी गुजरना पड़ा। एसओएल सेंटर पर ऐसा खुलेआम भेदभावपूर्ण रवैया डीयू और एसओएल प्रशासन के निशक्त और आम छात्र-विरोधी रवैए को बेनकाब करता है।

निशक्त महिला छात्रा द्वारा झेले गए सदमे, असुविधा और शर्मिंदगी ने न केवल एसओएल के निशक्त छात्रों बल्कि आम एसओएल छात्रों के साथ स्टडी सेंटरों पर किए जाने वाले अमानवीय और शर्मनाक व्यवहार को फिर एक बार उजागर किया है।

गौकशी का आरोपी नसीम पुलिस ने धर दबोचा

लोनी। ट्रानिका सिटी थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गाजियाबाद कोर्ट में पेस होने जा रहे गौकशी के वांछित आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित से पूछताछ कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

सहायक पुलिस आयुक्त लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि 14 जनवरी को ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि मंडोला आवास विकास क्षेत्र के जंगल में बने सीवर के गहरे गडढे में गोवंश के अवशेष पड़े हैं। जिसपर पुलिस ने अज्ञात गौ कशी के आरोप में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपित आहद, चांद कुरैशी, साजिद उर्फ सदुआ व अज्जू उर्फ बज्जू उर्फ बजाहत व हसनैन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन उनका नसीम नाम का साथी निवासी संभल फरार हो गया था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम प्रयारत थी। शनिवार मुखबिर से सूचना मिली कि गौ कशी में फरार चल रहा नसीम गाजियाबाद कोर्ट में पेश होने वाला है।

सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी ने शहीद चंद्रशेखर यादव को श्रद्धांजलि दी

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

गाजियाबाद। सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी (सुभास पार्टी) ने अपने राष्ट्रीय कार्यालय पर अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी के 95वे शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञात रहे कि आज ही के दिन 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क वर्तमान चंद्रशेखर आजाद पार्क में भारत माता की आजादी के लिए अंग्रेजों से लड़ते हुए महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद शहीद हो गये थे।

सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर आयोजित चंद्रशेखर आजाद श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धांजलि देते हुए सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी के संस्थापक सतेंद्र यादव ने शहीद चन्द्रशेखर आजाद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा चन्द्रशेखर आजाद जी के देश के प्रति जो विचार थे, उन्हें युवाओं को अपनाना चाहिए और अपने देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाना चाहिए आजाद जी के विचार और उनके जीवन से प्रेरणा लेकर ही हम सच्चे राष्ट्रवादी देशभक्त बन सकते हैं वरना आज के समय देश में नकली राष्ट्रवादियों की भरमार है जिन्होंने अपने जीवन में आज तक देश को आजाद कराने के लिए एक भी कार्य नहीं किया था। श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धांजलि देते हुए सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी के वक्ता विनोद अकेला ने कहा चंद्रशेखर आजाद आजाद थे आजाद रहे और आजाद ही रहेंगे बाल काल में ही आजादी के प्रति उनके जुनून ने युवाओं में भारत माता को आजाद करने के लिए नया जोश भर दिया था चंद्रशेखर आजाद का केवल और केवल एक मात्र उद्देश्य था कि भारत माता को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराना और अंत तक वह अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में लगे रहे उनका नाम सुनते ही बड़े बड़े अंग्रेज अफसर अपने घरों के अंदर बैठे-बैठे थर्रा जाते थे। श्रद्धांजलि देते हुए अनिल सिन्हा ने कहा कुछ वे लोग जिनका आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं था और आज सत्ता में बैठे हैं वे लोग देश के अनेक स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकार में भेद करके अपनी स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल नहीं होने की कायरता को छुपा रहे हैं। इस अवसरों पर मुख्य रूप से अनुपम अग्रवाल रोहित रिंकू अक्षय दीपक हरीश प्रिंस विकास नवीन नसरुद्दीन जगदीश गोयल इरशाद बेग, राजेश कुमार कप्तान गोपाल सिंह, डॉ राजीव श्रीवास्तव, राम नरेश ठाकुर, धीरेन्द्र भदौरिया, कमल यादव, पन्ना लाल, संजय श्रीवास्तव, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, राजेंद्र यादव, गोपाल जी सैंकड़ों मुख्य रूप से उपस्थित थे।

होली मिलन समारोह को लेकर प्रवासी संघ की बैठक आयोजित

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

नोएडा। होली मिलन समारोह की तैयारियों के लिए प्रवासी संघ की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन आलोक वत्स की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाने पर जोर दिया गया। प्रवासी संघ के अध्यक्ष आलोक वत्स ने बताया कि होली पूर्वांचल के प्रमुख त्योहार है जिसे अपने घर से दूर रहने वाले सभी पूर्वांचलियों के लिये प्रवासी महासंघ एक परिवार के तौर पर मनाता है। जिसमें गीत संगीत के साथ पूर्वांचल की एक सोंधी महक भी होती है इसके लिए सभी कार्यकताओं को तैयारी में लग जाना है क्योंकि विगत वर्षों में हमने जो आयोजन किये हैं उससे अच्छा आयोजन ही होना चाहिए।

प्रवासी संघ के महासचिव अवधेश राय ने बताया कि होली मिलन कार्यक्रम सेक्टर 33 के सामुदायिक भवन में 9 मार्च दिन रविवार को सांयकाल 3 बजे से होगा और हमें अपने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरे मन से करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाना है। प्रवासी महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने बताया कि होली के इस कार्यक्रम में सभी पूर्वांचली परिवारों का हार्दिक स्वागत है। बैठक में अध्यक्ष आलोक वत्स, महासचिव अवधेश राय, जितेन्द्र प्रसाद सिंह, विकास तिवारी, छाया राय, अनु सिन्हा, कमलेश तिवारी, अभिनव पाण्डेय, राहुल द्विवेदी, अनुज त्रिपाठी , अखिलेश सिंह, आनंद राय, आकाश तिवारी, मीनाक्षी साही एवं मधु सिंह समेत अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

आपसी प्रेमभाव व सौहार्द का परिचय देते हुए पत्रकारों ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने उपस्थित होकर सभी को दी होली की शुभकामनाएं

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

गाजियाबाद। हर वर्ष की भाँति इस बार भी पत्रकारों द्वारा होली मिलन समारोह पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कविनगर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, डी सी पी राजेश सिंह, एडिशनल सी पी कल्पना सक्सेना, डी सी पी निमिष पाटिल, एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव सहित तमाम पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे साथ ही सैकड़ों की संख्या में मीडिया बन्धु उपस्थित हुए। सभी ने होली महोत्सव का भरपूर आनंद लिया तथा उपस्थित सभी लोगों को होली की शुभकामनाएं दी।

होली मिलन समारोह के अवसर पर पत्रकारों द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवियों का संचालन दीपाली जैन ने किया। दीपाली जैन, माधुरी मुस्कान, धरमवीर शर्मा, डा. आर.पी. शर्मा व उषा श्रीवास्तव ने कविता पाठ किया। दीपाली जैन ने अपने पाठ में कहा कि 'जिया' मुंह पर सिल्वर पेंट लगाकर घूमें आशिक गली गली चढ़ा के देसी ठर्रा देखो झूम आशिक गली गली सोच रहे हैं किसी हसीना कोभर कर रंग डालें, किसी की ठंडाई में चोरी से चुपके से भंग डालें, दिल में जितने भी अरमान है सारे पूरे कर लेंगे, मिल जाए कोई गांव की गोरी बाहों में हम भर लेंगे।

उषा श्रीवास्तव उषाराज ने कहा कि भुला के गम सभी दिल के करें बस प्यार होली में रहेंगे साथ मिलजुल कर सभी परिवार होली में, सभी रिश्ते सभी नातों में दिल का बैर बह जाए, चले पिचकारियों से प्रेम की रसधार होली में। मुस्कान शर्मा माधुरी ने अपने काव्य में कहा कि रंग बिरंगे हुरियारों की टोली अच्छी लगती है, केसर,चंदन,महका टेसू,रोली अच्छी लगती है। तन्हाई के मौसम में तो सब कुछ लगता है सूना, अपनों का हो साथ अगर तो होली अच्छी लगती है। कवि डॉ.आर. पी. शर्मा ने अपनी मधुर वाणी से काव्य करते हुए कहा कि रंग पे रंग लगे इतने कि हर पल रंगीन हो गई होली देवर रंग लगाने जो पहुंचे संग भौजी भैया के होली, बिटिया जो रंग लगाई बाबुल के धन ही धन्य ये हो गई होली, छुए चरण जब माता-पिता के हर दुख हर ले गई ये होली। धर्मवीर शर्मा 'निश्चिंत' ने कहा कि चुपके-चुपके ऐसे कर गयी राधा हँसी ठिठोली, गालन पे मल दयो रंग बस कह के हैप्पी होली, ऐसो रंग चढ़ो फिर मोहन मंद-मंद मुस्कामें, ग्वाल सखा कहि तंज कसें यूँ होली कान्हा होली। कवियों के होलीमय रसधारा का सभी उपस्थित अधिकारियों व पत्रकारों ने भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर एमएनए ने सभी को होली पर्व की बधाई दी। उन्होंने कहा कि होली आपसी एकता व सोहार्द का पर्व है और हमें आपस में मिल-जुलकर रहने का संदेश देता है। हमारे देश के जितने भी पर्व हैं, वे सभी हमारी आपसी एकता, भाई-चारे व सौहार्द को मजबूत करते हैं। हमारे पर्व जहाँ एक और भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का कार्य करते हैं, वही दूसरी तरफ पर्वों से आपस में मिल-जुलकर रहने की भावना का भी विकास होता है। अतः हमें होली के संदेश को अपने जीवन में उतारते हुए इस पर्व को आपस में मिल-जुलकर मनाना चाहिए। पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि रंगों का त्योहार होली जहां एक और लोगों के जीवन में खुशी, उत्साह व आशा का संचार करता है, वही यह पर्व हमें अपने सभी बैर भाव, मतभेद आदि को भूलाकर दुश्मन को भी गले लगाकर उसे दोस्त बनाकर जीवन में नई शुरूआत करने का संदेश भी देता है। होली सामाजिक सौहार्द का पर्व भी है और यह आपसी सौहार्द, एकता व भाई-चारे का संदेश भी देता है। हमें इस पर्व को आपस में मिल-जुलकर मनाना चाहिए और अपनी खुशियों में उन लोगों को भी शामिल करना चाहिए जिनके जीवन में अभाव है। ऐसे जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी का रंग भरने के लिए हमें कुछ समय उनके साथ भी बिताना और उनकी भी यथासंभव मदद करनी चाहिए ताकि होली पर्व पर उनके चेहरों पर भी खुशी व मुस्कान का रंग नजर आए।

इस अवसर पर डी सी पी राजेश सिंह ने कहा कि यह बहुत अच्छा कार्यक्रम है। इसकी मैं दिल से बहुत तारीफ करता हूँ। इसी तरह से एसोसिएशन द्वारा एक पत्रकार प्रशिक्षण शिविर भी लगाया जाना चाहिए जिसमें उन्हें आज के परिवेश में किस तरह से पत्रकारिता करनी चाहिए और क्या क्या परेशानियां आती है उनका किस तरह से सामना किया जाए। इस बात पर चर्चा होनी चाहिए तथा अच्छे वक्ताओं को बुलाकर के इसका समाधान होना चाहिए। इस अवसर पर पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय जैन ने कहा कि पत्रकार हमेशा दूसरों के सुख दुख एवं महोत्सवों में शामिल होते हैं लेकिन वो अपना त्यौहार नहीं मना पाते हैं। इसलिए पत्रकार एसोसिएशन अभी तक होली मिलन का कार्यक्रम सिर्फ. पत्रकारों के लिए करती है जिसमें सिर्फ. पत्रकार बंधु ही शामिल होते थे लेकिन इस बार कुछ अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया उन्होंने भी आकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई इस कार्यक्रम में सभी पत्रकारों का भारी सहयोग रहता है जिसके कारण यह कार्यक्रम लगातार ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है और चारों तरफ इसकी प्रशंसा हो रही है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अध्यक्ष अमित राणा व महामंत्री हिमांशु शर्मा ने कहा कि इस बार प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने मिलकर यह प्रोग्राम किया है जो बहुत सफल रहा आगे मिलकर और भव्य कार्यक्रम किया जाएगा। इस अवसर पर महामंत्री संजीव वर्मा, योगेश कौशिक, सैय्यद अली मेहंदी, संजय श्रीवास्तव, योगेश कौशिक,रेखा अग्रवाल,के पी यादव, संजी व शर्मा, अशोक शर्मा आदि ने अपने विचार रखे।

पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय जैन, योगेश कौशिक, हिमांशु शर्मा, अमित राणा आदि ने कवियों को प्रतीक चिह्न, माला पटका पहनाकर एवं तिलक लगाकर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय जैन, योगेश कौशिक, संजीव वर्मा, हिमांशु शर्मा, अमित राणा, सुदामा पाल, रेखा अग्रवाल, निरंजन सिंघल, संजीव श्रीवास्तव, के.पी. सिंह यादव, किशन स्वरूप, विरेंद्र कुमार, श्रीराम, पिंटू तोमर, मनीष गुप्ता, सी.पी. सिंह, आशा चौधरी, मंजू घई, नीरज गर्ग, राजेश श्रीवास्तव, दीपमाला, श्रेया राज, मुस्कान शर्मा, हिमांशु गर्ग, संजय मित्तल, रविंद्रनाथ दुबे, राहुल सिंघल, दीपक सिरोही, संजीव शर्मा, के.पी. त्रिपाठी, अशोक शर्मा, पंकज शर्मा, मनोज प्रजापति, नरेश राजपूत, अशोक कुमार, राकेश राजपूत, योगेश कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, उस्मान सैफी, मुकेश कर्दम, शिवम गिरी, राजवीर चौधरी, अजय सिंह रावत, विशाल रावत, शिवकुमार पवार, अजीत रावत, साकिब अली, सैय्यद अली मेहंदी, चंद्राशु त्यागी, संजय गौड़, राहिल कस्सार, चेतन कुमार, चंदन मारवाहा, रिषभ भारद्वाज, सुनील पवार, सतीश राजपूत, लक्ष्य चौधरी, आकाश गर्ग, मोहित भारद्वाज, आकाश तोमर, अमन वत्स, सोनू सिंह, अनिल चौधरी, जुबेर अख्तर, सविता शर्मा, संजय कुमार शाह, मयंक गौड़, प्रदीप वर्मा, अनुराग श्रीवास्तव, चौधरी अफसर, संजय शर्मा, जयबीर मावी, नरेश सिंघानिया, शिवम शर्मा, सत्यंम पंचोली, हरेंद्र, रवि तुषार, सोबरन सिंह, आशुतोष यादव, शोहेब सलमानी, डा. राजवीर सिंह, रणसिंह, आस मौहम्मद, रवि कुमार, आसिफ, सुधीर रस्तोगी, राहुल शर्मा, ओसामा चौधरी, सुनील त्रिपाठी, पप्पन ठाकुर, जितेंद्र चौधरी, हरीश राठौर, राजेश कौशिक, इमरान खान, नौमान खान, सन्नी गौतम, प्रशांत चौधरी, अमित, विपिन तोमर, उमेश कुमार, कुलदीप त्यागी, ललित कुमार, ठाकुर पंकज सिंह, पूजा जैन, अम्बुज उपाध्याय, मीनाक्षी शर्मा, रविंद्र सिंह, आदि सैकड़ों की संख्या में पत्रकारबन्धु मौजूद रहे।

तीनों तहसीलों में तहसील दिवस सम्पन्न

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

गाजियाबाद। शासनादेश के क्रम में जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशन पर जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों मे सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया।

लोनी तहसील: अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह की अध्यक्षता में लोनी तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इस दौरान कुल 56 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम लोनी राजेन्द्र, जीडीए सचिव राजेश सिंह, पुलिस अधिकारी, ईओ लोनी, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोदीनगर तहसील: एसडीएम मोदीनगर डॉ.पूजा गुप्ता की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 39 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 03 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान एसीपी मोदीनगर, तहसीलदार रजत सिंह सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सदर तहसील: एडीएम सिटी गम्भीर सिंह अध्यक्षता में जनपद की सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 38 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 05 शिकायतों का निस्तारण किया गया। एसडीएम अरूण दीक्षित, पुलिस विभाग से एसीपी, तहसीलदार रवि सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मोदीनगर खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बने राष्ट्रीय खिलाड़ी ओमवीर सैन

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

गाजियाबाद। रविवार को राष्ट्रीय खिलाड़ी ओमवीर सैन को मोदीनगर विधायिका श्रीमती मंजू शिवाच द्वारा पुष्पगुच्छ व शाल ओढ़ाकर विवेकानंद एकेडमी, संतपुरा में सम्मानित किया गया। विधायिका ने अभी कुछ दिन पहले भी विधानसभा में सरकार से मोदीनगर क्षेत्र के खिलाडियो की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए खेल स्टेडियम व अन्य संसाधनों की मांग भी उठायी थी। राष्ट्रीय खिलाड़ी ओमवीर सैन ने हाल ही में आगरा में हुई 6 टीमों की नेशनल दिव्यांग क्रिकेट चैंपियनशिप के फाइनल में उत्तर प्रदेश टीम की तरफ से जम्मू कश्मीर को हराकर जीत हासिल की और फिर बनारस में आयोजित हुई दिव्यांग स्त्रि' में भी शानदार प्रदर्शन किया जिसके लिए सन 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप की जीत के हीरो रहे दिलीप वेगस्कर ने उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम में शामिल सीनियर कोच समीर कुमार ने मोदीनगर क्षेत्र में साई के स्थानीय केन्द्र की स्थापना के विषय मे चर्चा उठायी जिसका विधायिका द्वारा शासन में पत्र लिखकर आवेदन करने में सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर समाजसेवी जयकिशन बालियान, पंकज राणा, रूपेश बालियान, रवि बलियान, सोनू दत्ता, ओमप्रकाश कश्यप, विशाल रोहिल्ला व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

उप्र मानवाधिकार आयोग सदस्य बृज भूषण ने किया उदयन केयर होम फॉर गर्ल्स का निरीक्षण

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

गाजियाबाद। बृज भूषण, सदस्य उ0प्र0 मानवाधिकार आयोग, लखनऊ द्वारा जनपद में महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन द्वारा संचालित उदयन केयर होम फॉर गर्ल्स का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के समय जिला बाल संरक्षण इकाई से सागर श्रीवास्तव संरक्षण अधिकारी संस्थागत, जितेन्द्र कुमार संरक्षण अधिकारी, लोकेंद्र सिंह विधि सह परिवीक्षा अधिकारी, स्वैच्छिक संगठन से श्रीमती स्वाति रॉय, सहायक निदेशक, सुअनन्या बनर्जी प्रभारी अधीक्षिका, संबंधित क्षेत्र के पुलिस अधिकारी एवं संस्था के स्टाफ उपस्थित हुए।

बृज भूषण का आवासित बालिकाओं द्वारा अपने हाथ से बनाई गई पेंटिंग व गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। इसी क्रम में महोदय द्वारा संस्था का निरीक्षण किया गया और वहां आवासित बालिकाओं के रहने खाने, स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, पुनर्वास आदि के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी ली गई। संस्था प्रभारी से बालिकाओं के स्कूल में पंजीकरण कराए जाने एवं सभी के आधार कार्ड की स्थिति के साथ ही बालिकाओं को परिवार में पुनर्वास कराए जाने पर विशेष ध्यान दिया जाने के निर्देश दिए गए।

बृज भूषण द्वारा संस्था के कार्यों की सराहना की गई। साथ ही आवासित बालिकाओं से वार्ता कर उन्हें जीवन में एकाग्रता के साथ मेहनत कर अच्छा जीवन यापन किए जाने हेतु निरंतर प्रयास किए जाने हेतु प्रेरित भी किया गया।

संस्था की बालिकाओं द्वारा माननीय सदस्य को अपनी रुचि को साझा करते हुए उनसे भजन और गीत सुनाया गया, जिसकी माननीय सदस्य द्वारा प्रशंसा की गई।

नगर आयुक्त ने हाउस टैक्स वसूली को लेकर टैक्स विभाग की लगाई क्लास, वार्डवार जाना कार्यवाही का स्टेटस

कमर्शियल, इंडस्ट्रियल तथा हाई राइस सोसाइटियों को हाउस टैक्स वसूली के लिए निगम बनाएगा टारगेट

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा हाउस टैक्स वसूली को लेकर टैक्स विभाग के सभी संबंधित टीम व अधिकारियों से बैठक की गई, बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र द्वारा हाउस टैक्स कलेक्शन हेतु चल रही कार्यवाही के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिस पर नगर आयुक्त द्वारा प्रत्येक वार्ड में चल रहे कार्यों का स्टेटस सीधा टीम से लिया गया कर अधीक्षक तथा राजस्व निरीक्षक को बारी-बारी दिए गए टारगेट के क्रम में जानकारी ली गई साथ ही छुट्टी पर चल रहे स्टाफ को सख्त हिदायत देते हुए 31 मार्च से पूर्व बिना मजबूरी के छुट्टी न करने के लिए कहा गया इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा सिटी जोन के टैक्स सुपरिंटेंडेंट संजय से जानकारी चाहिए गई जानकारी ना बताने पर शासन को प्रतिकूल प्रविष्टि हेतु पत्र जारी करने के निर्देश टीम को दिए गए, इसके अलावा मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉक्टर संजीव द्वारा बताया गया कि 30 दिन में सभी जोनल प्रभारी को 95 करोड़ की वसूली करनी है जिसके लिए अवकाश दिवसों में भी कैंप लगाए जा रहे हैं मौके पर अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव समस्त जोनल प्रभारी व अन्य टीम उपस्थित रही।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स वसूली को लेकर रफ्तार से कार्य किया जा रहा है समय-समय पर सभी अधिकारियों को मोटिवेट भी किया जा रहा है कमर्शियल भवन इंडस्ट्रियल एरिया तथा हाई राइज सोसाइटी को टारगेट बनाने के लिए टीम को निर्देश दिए गए हैं इसी क्रम में बताना है कि गाजियाबाद के कवि नगर जोन क्षेत्र में हाउस टैक्स वसूली बेहतर हुई है जिसमें जनप्रतिनिधियों का भी विशेष सहयोग मिला है वसुंधरा जोन का टारगेट 53 करोड़ है कवि नगर को 8 करोड़ का टारगेट दिया गया है, विजयनगर द्वारा 2 करोड़ की वसूली की जानी है सिटी द्वारा 21 करोड़ की वसूली की जानी है तथा मोहन नगर जोन को 11 करोड़ की वसूली की जानी है, सभी वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार मॉनिटरिंग करने तथा अवकाश दिवसों में कैंप लगाने की निर्देश दिए गए हैं गाजियाबाद नगर निगम लक्ष्य पूर्ति के क्रम में बेहतर कार्यवाही करें सभी टीम को मोटिवेट किया गया है। शहर को विकास की रफ्तार देने के लिए हाउस टैक्स वसूली गाजियाबाद नगर निगम बढ़ाने के लिए तैयारी कर रहा है अगले 30 दिनों में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा 95 करोड़ की हाउस टैक्स वसूली की जानी है जिसके लिए जन-जन को जागरुक भी किया जा रहा है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने पर श्रीमती रेखा गुप्ता को लव कुश रामलीला कमेटी लाल किला मैदान दिल्ली के प्रतिनिधि ने बधाई दी

सर्वोदय शांतिदूत ब्यूरो

दिल्ली। लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि लव कुश रामलीला कमेटी का एक प्रतिनिधि मंडल हाल ही में मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से मिलने के लिए उनके कार्यालय पहुंचा और उन्हें उनकी बेहतरीन नेतृत्व क्षमता, समाज की सेवा में उनके योगदान, और दिल्ली की जनता के लिए किए गए कार्यों के लिए बधाई दी। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने किया, जिन्होंने मुख्यमंत्री को कमेटी द्वारा आयोजित की जाने वाली आगामी रामलीला महोत्सव के बारे में जानकारी दी और इस साल की रामलीला के आयोजन को और भी भव्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री से समर्थन की अपील की।

इस अवसर पर श्रीमती गुप्ता ने रामलीला के महत्व और सांस्कृतिक धरोहर को बनाए रखने के लिए कमेटी के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा, रामलीला का आयोजन हमारी सांस्कृतिक पहचान और भारतीय समाज की एकता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। लव कुश रामलीला कमेटी ने हमेशा इस उत्सव को बहुत श्रद्धा और समर्पण के साथ मनाया है, और मैं इसके लिए उन्हें शुभकामनाएं देती हूं। मैं हर संभव समर्थन देने के लिए तत्पर हूं ताकि यह कार्यक्रम और भी सफल हो।

समारोह के दौरान दोनों पक्षों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने और दिल्ली के लोगों को समाजिक और सांस्कृतिक रूप से एकजुट करने के महत्व पर चर्चा की। प्रतिनिधि मंडल में कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार, चेयरमैन पवन गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्य भूषण जैन आदि सम्मिलित हुए इस अवसर पर माननीया मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का हनुमान जी की गदा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

युवक को कार ने कुचला, मौत

मुरादनगर। नगर क्षेत्र में रावली सुराना मार्ग पर बिलाल मस्जिद के पास शनिवार रात को सड़क पार कर रहे युवक को तेज रफ्तार लग्जरी कार ने कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हॉल है।

दिल्ली ब्यूरो कार्यालय
आनन्द प्रकाश (ब्यूरो चीफ)
311/27, बीर सावरकर ब्लॉक, विकास मार्ग, शक्करपुर, दिल्ली – 92

सर्वोदय शांति दूत
आपकी आवाज, टिर्फ सच...

आपकी परेशानी, समस्या में हम हैं मगददगर!
News Portal: www.sarvodayshantidoot.com
Ph. No.: 0120-4565369, 9650345583
E-mail: sarvodayshantidoot@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. संजय त्रिपाठी ने वेबटेक प्रिन्टर्स, 15/19, साईट–4, साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद (उ.प्र.) से छपवाकर बी–1352, राजीव कॉलोनी, मोहन नगर, जिला गाजियाबाद (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: डॉ. संजय त्रिपाठी, मो.: 9650345583
सभी विवादों के निस्तारण का न्याय क्षेत्र गाजियाबाद स्थित न्यायालय होगा।